

जिसको अध्यक्ष बनवाया उसी ने कहा विधायक हद में रहें ...



डॉ. रवि तिवारी

राजनीति में कोई किसी का न तो स्थाई दोस्त होता और न ही दुश्मन, यह भी सही है कि राजनीति में पल-पल परिस्थितियां बदलती रहती हैं, जिसको विधायक ने नगर पंचायत

कर शुरू हुई है. संगठन क्या संज्ञान लेगा यह तो वक्त बताएगा पर आरोपों पर विधायक का कहना है, आरोप नहीं सबूत हो तो देना चाहिए, राजनीति में यह सब चलता रहता है. यदि कोई प्रमाण सामने आएगा तो उसके आधार पर उसका जवाब भी देंगे. भाजपा के अंदर अब पार्टी फोरम में बात रखने के बजाय खुलकर लड़ाई आमने-सामने होने लगी है पार्टी की साख पर भी सवाल है ?

बड़े फेरबदल के संकेत

लम्बे इंतजार के बाद पदोन्नति कर्मचारियों की हुई है, जिसके बाद अब फेर बदल की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं. पदोन्नति के बाद रिक्त हुए पदों पर नई पदस्थापना एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया है. ऊर्जाधारी में प्रभारी मंत्री के दौरे को लेकर बड़ा फेर बदल होने के संकेत हैं. खासकर पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है. पुलिस विभाग के अंदर संभावित सूची को लेकर चर्चाओं का दौर लगातार जारी है. विपक्षी दल संभावित तबादलों और पदस्थापनाओं को लेकर सरकार पर सवाल उठा रहे हैं. आरोप है कि तबादला प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिये और इसमें किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं होना चाहिये. विपक्ष इसे आगामी दिनों में बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की तैयारी में दिखाई दे रहा है. उधर मनचाही जगह पदस्थापना पाने के लिये हर कोई अपने स्तर पर प्रयास में लगा हुआ है.

कांग्रेस में उपेक्षा से बगावत की राह

रीवा में कांग्रेस के अंदर इस समय आंतरिक गुटबाजी और बगावत खुलकर सामने आ चुकी है. वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच लगातार मतभेद देखे जा रहे हैं. शायद संगठन से ऊपर नेता और कार्यकर्ता अपने को समझने लगे हैं. संगठन सृजन अभियान के मंथन से कुछ नहीं निकला. छत्रपों की राजनीति और गुटबाजी अपने चरम पर है.



प्रदेश अस्थक जीतू पटवारी से लेकर प्रदेश प्रभारी तक रीवा में मंच से संगठन की मजबूती और एकता का पाठ मास्टर साहब बनकर पढ़ाया था . जिसका परिणाम अब सामने दिखने लगा है, संगठन के विपरीत कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता आवरण कर रहे हैं. लेकिन इन पर संगठन का चाबुक नहीं चल रहा है. मजे की बात यह है कि हाल ही में नाराज चल रहे कांग्रेसियों ने ‘स्नेह मिलन एवं जन संवाद’ कार्यक्रम के बहाने बगावत का संदेश देते हुए अपनी एकता दिखाई है. दरअसल इस कार्यक्रम को जिला-शहर कांग्रेस कमिटी ने अनाधिकृत बताया था. मंच के माध्यम से नाराज कांग्रेसियों ने अपनी भड़ास नेताओं और संगठन पर निकाली और कांग्रेस को मजबूत बनाने का आह्वान भी किया. अब सवाल यह उठता है कि ऐसे में कांग्रेस कहां मजबूत होगी . संगठन के विपरीत जाकर नाराज कांग्रेसी पार्टी के अनुशासन को टेगा दिखा रहे हैं क्या इस पर प्रदेश या जिला संगठन कोई कार्यवाही करेगा ? या फिर ऐसे ही संगठन को मर्यादा का चीरहरण होते धृतराष्ट्र की तरह देखते रहेंगे . कार्यक्रम में अधिकांश वही कांग्रेसी थे जो संगठन में मुंह फुला कर चल रहे हैं .

निशानेबाज

देवता ही नहीं, सरकार भी सो जाती है, चातुर्मास में गहरी नींद आती है



मांग, जंतरमंतर का प्रदर्शन, पुलिस का निर्मम अत्याचार, कुछ भी नजर नहीं आता. पीएम लंबे समय तक लगातार

निशानेबाज

पड़ोसी ने हमसे कहा, ‘निशानेबाज, आषाढ़ी या देवशयनी एकादशी से सृष्टि के पालनहार भगवान विष्णु अपनी शेषशय्या पर पूरे 4 माह के लिए गहन निद्रा में सो गए. जब देवता सो जाएं तो कोई मंगल कार्य नहीं हो सकता इसका मतलब यह कि शादी-ब्याह रुक जाएंगे. हमें समझ में नहीं आता कि ब्रम्हांड के नियंता ईश्वर कैसे सो सकते हैं ?’ हमने कहा, ‘यह भगवान विष्णु की योग निद्रा है. इस समय वह ध्यानमग्न रहते हैं. घर में सपं का अंदेशा होने पर लोगों की आंखों की नींद उड़ जाती है लेकिन भगवान शेषनाग की शय्या पर निश्चिंत सोए रहते हैं और लक्ष्मीजी उनके चरण दबाती हैं. शेषनाग विष्णु भगवान के साथ अवतार भी लेते हैं. कभी वे छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में अवतरित होते हैं तो कभी बड़े भाई बलराम के रूप में !’

पड़ोसी ने कहा, ‘निशानेबाज, जहां तक सोए रहने की बात है, विपक्ष मानता है कि सरकार भी सोई हुई है. इस नींद में गाफिल मतकी बात सरकार को महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक, मंदिर का चढ़ावा चोरी, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह देश की परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा तंत्र पर उठे गंभीर सवालों का संकेत भी है. किसी मंत्री का जाना या आना लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण यह है कि क्या इस घटनाक्रम के बाद शिक्षा व्यवस्था में ऐसे सुधार होंगे, जो भविष्य में लाखों विद्यार्थियों का विश्वास दोबारा स्थापित कर सकें.

पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा प्रबंधन में गड़बड़ियां और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी जैसी घटनाओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है. लाखों विद्यार्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, परिवार अपनी बचत कोविंग और पढ़ाई पर खर्च करते हैं, लेकिन यह परीक्षा की निष्पक्षता ही संदेह के घेरे में आ जाए तो सबसे बड़ा नुकसान

जारी रहे शिक्षा में सुधार

प्रतिभा और विश्वास का होता है. इसलिए आज सबसे बड़ी आवश्यकता किसी व्यक्ति विशेष पर बहस करने की नहीं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली की व्यापक समीक्षा करने की है. परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं की अधिक स्वायत्त, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा. प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए आधुनिक डिजिटल सुरक्षा प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की बेहतर निगरानी, समयबद्ध जांच और दोषियों के विरुद्ध त्वरित दंड सुनिश्चित करना अब अनिवार्य हो गया है.

इसके साथ ही केवल दंडात्मक व्यवस्था पर्याप्त नहीं होगी. परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था बनाने और अभ्यर्थियों के

साथ नियमित संवाद स्थापित करने की भी आवश्यकता है. यदि विद्यार्थियों को यह भरोसा होगा कि किसी भी गड़बड़ी की निष्पक्ष जांच होगी और समय पर न्याय मिलेगा, तभी शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता मजबूत होगी.

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी सहित सभी परीक्षा संस्थाओं की कार्यप्रणाली का स्वतंत्र मूल्यांकन भी समय की मांग है. यह देखना होगा कि वर्तमान संरचना भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप है या उसमें व्यापक संस्थागत सुधार की आवश्यकता है. शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में केवल संकट आने पर प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें संकट पैदा होने की संभावना ही न्यूनतम रह जाए.

इस्तीफे को लेकर अडिग था विपक्ष



कृष्णमोहन झा

आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को अपने पद से इस्तीफा देने के लिए विवश होना पड़ा. कॉकरोच जनता पार्टी और केंद्र सरकार के बीच दोपहर को होने वाली तीसरे दौर की बातचीत शुरू होने के कुछ देर पहले धर्मेन्द्र प्रधान ने अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास भेज दिया. अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा कि मैं देश के युवाओं, आकांक्षाओं और भावनाओं का बहुत सम्मान करता हूँ. काकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने शनिवार सुबह कहा था कि अगर सरकार से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से बातचीत जारी रखने का कोई मौकदा नहीं है. काकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार के साथ दूसरे दौर की बातचीत के बाद यह दावा किया था कि नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले अभ्यर्थियों के परिजनों को उचित मुआवजा और प्रदर्शन कारी छात्रों के विरुद्ध कोई मुकदमा दर्ज न करने की उनकी मांग सरकार ने सैद्धान्तिक रूप से मान ली है साथ ही काकरोच जनता पार्टी ने यह चेतावनी भी दी थी कि नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र

इतनी किरकिरी होने के बाद भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफा न देने की जिद पर अड़े धर्मेन्द्र प्रधान आखिर अवानक ही अपना फैसला बदलने के लिए विवश क्यों हुए यह समझने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघवालाक मोहन भागवत के उस भाषण पर गौर करने की आवश्यकता है जो उन्होंने एक दिन पूर्व ही नई दिल्ली में आयोजित विपव मांगल्य सभा के एक महत्वपूर्ण समारोह में दिया था .अपने इस भाषण में संघ प्रमुख ने कहा था कि नयी पीढ़ी को अपनापान और समय देने एवं उसके साथ संवाद करने की आवश्यकता है. भागवत ने इस बात पर विशेष जोर दिया था कि नयी पीढ़ी के साथ संवाद करके ही उन्हें सही दिशा दिखाई जा सकती है . गौरतलब है कि भागवत के उक्त संबोधन के दो दिन पूर्व भाजपा के वयोवृद्ध नेता और अतीत में मानव संसाधन मंत्री रह चुके डा मुरली मनोहर जोशी ने भी छात्रों के संसद मार्च के बाद कहा था कि परीक्षा प्रणाली को लेकर छात्रों और सरोकार वास्तविक हैं उन्होंने संसद मार्च में शामिल बलप्रयोग को निर्मम बताते हुए यहाँ तक कह दिया था कि बल का ऐसा इस्तेमाल भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से को विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य से दूर कर देगा .



प्रधान का इस्तीफा नहीं होने की स्थिति में देश भर में इस आंदोलन का और बड़े रूप में विस्तार किया जाएगा. यहाँ यह भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पार्टी ने यह घोषणा की थी कि जब तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा नहीं हो जाता तब तक वह संसद में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार नहीं होगी.

कांग्रेस सहित समूचा विपक्ष धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद के मानसून सत्र में लगातार हंगामा कर रहा था जिसके कारण संसद का कार्यवाही नहीं चल पा रही थी. जंतर मंतर पर सोनम वांगचुक ने जिन मांगों को अनशन प्रारंभ

किया था उनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग प्रमुख थी यद्यपि सोनम वांगचुक ने जब दो दिन पूर्व अपना अनशन समाप्त किया तो उन्होंने धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर जोर नहीं दिया था. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गाँधी और प्रियंका गाँधी वाड़ा सहित 100 से अधिक वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे सहित अन्य मांगों को लेकर प्रधान मंत्री आवास के समीप धरना देकर अपनी गिरफ्तारी दी. इसके बाद देश भर में यह आंदोलन व्यापक रूप से फैलता गया और मांग यही थी कि धर्मेन्द्र प्रधान

महामंडलों में नियुक्तियां क्यों नहीं ?

महाराष्ट्र की महायुति सरकार को बने डेढ़ वर्ष से ज्यादा समय बीत गया लेकिन अभी तक अनेक महामंडलों व वैधानिक संस्थाओं के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यों व संचालकों की नियुक्ति नहीं हो पाई. ऐसा समीकरण तय हुआ है कि 49 प्रतिशत महामंडल बीजेपी को 28 प्रतिशत शिवसेना (शिंदे) को तथा 23 प्रतिशत अजीत पवार की राकांपा को दिए जाएंगे. राकांपा (अजीत) ने अपने लिए 23 की बजाय 27 महामंडल की मांग की है. इस मामले में दिक्कत कमाईवाले या मलाईदार महामंडलों पर हक जताने को लेकर हो रही है. कौन से महामंडल महत्वपूर्ण हैं इसकी सूची तीनों पार्टियों की समन्वय समिति को दी गई है. इस समिति में तीनों दलों के 2-2 मंत्री शामिल हैं. इसके बावजूद समिति में सबसे अधिक दबदबा या वचस्व राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले का माना

जाता है. शिवसेना (शिंदे) की ओर से अंतिम सूची अभी तक उपलब्ध नहीं कराई गई है कि उसे कौन से महामंडल चाहिए. बीजेपी की सूची भी तैयार नहीं है. ऐसा तय हुआ है कि अध्यक्ष का नाम वरिष्ठ नेता तय करें और सदस्यों के नामों का चयन पार्टी संगठन करे. शिवसेना (अजीत) में 2 शक्ति केंद्र होने की वजह से नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है. एक ओर पार्थ पवार हैं तो दूसरी ओर प्रफुल पटेल व सुनील तटकरे. पद के अनेक इच्छुक होने से नाम तय कर पाना कठिन है. इसलिए जितनी कम नियुक्तियां की जाएं, उतना ही अच्छा ! एक को पद दिया तो अनेक नाराज हो जाएंगे. इसीलिए इतना समय बीतने पर भी महामंडल की नियुक्तियां लटकी हुई हैं. मराठवाड़ा और विदर्भ विकास महामंडल का गठन भी नहीं हो पा रहा है. इसी तरह राज्यपाल द्वारा 5 विधायक नियुक्त करने का मुद्दा भी अटका हुआ है. असंतोष और विवाद टालने के चक्कर में निर्णय नहीं लिया जा रहा है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD12330-डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5
6		7	8	
		9		10
		11		12
13			14	15
	16	17	18	
	19	20		21
22			23	

2.चतपटी खाने की चीज 3. तराई 4. मगर, बारह राशियों में से एक 5. श्रवणेंद्रिय, कर्ण 8. बांग्लादेश की मुद्रा 9. ठाट-बाटपूर्ण 10. ललाट, भाल, माथा 12. सम्मान 15. भीमकाय, बड़े डीलडौल वाला 17. मृतक का शोक 19. किस समय 21. जंगल

Solution 12329

मि	तू	भो	ज	न	स	ती
त	ज	म	त	ल	ब	
रा	बा	न	बा	ल	क	
ई	मि	त	ला	ल	म	
ध	र	ना	य	ब	जो	
	ना	ला	य	क	द्वा	र
भ	र	स	क	ना	प	
य	क	मु	क	र	ना	

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी. स्वास्थ्य लाभ का योग है. वर्ष के मध्य में स्थिति सामान्य रहेगी. धार्मिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. वर्ष के अन्त में शत्रु पक्ष से कष्ट होगा. चिन्ता रहेगी. मित्रों के कारण व्यवधान आ सकता है. व्यर्थ के बाद विवाद से व्यय में वृद्धि होगी. मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ प्राप्त होगा. सामाजिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष से कष्ट होगा. प्रगति का योग है, सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्य एवं धार्मिक कार्यों में लगना होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को कार्य श्रम होगा, सफलता मिलेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मित्रों के कारण कार्य में मदद मिलेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को व्यवधान आ सकता है, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को संयमित होकर कार्य करने में मदद मिलेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को संयमित होकर कार्य करने में मदद मिलेगी.

मेघ- युवाओं का ध्यान मौज मस्ती पर रहेगा. खानपान की गड़गड़ी से सेहत बिगड़ेगी. संयम रखकर कार्य करें. व्यर्थ के विवाद से बचें. निजी कार्यों को रूपरेखा बनेगी. **वृषभ**- पारिवारिक योजनाओं में बड़ चक्कर हिस्सा लेंगे. लक्ष्य प्राप्ति के विशेष प्रयत्न आवश्यक हैं. व्यापार व्यवसाय में सावधानी रखें. व्यर्थ के विवाद से बचें. **मिथुन**- धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी. पिछले अनुभवों से सबक लेकर वृषभे वढ़ें. सतर्कता से कार्य करें. कामकाज पूरा होगा. **कर्क**- किसी कार्य को लेकर मन में दुविधा रहेगी. अधिकारी वॉ खुश रहेंगे. शिक्षा संतान के कार्यों में सफलता मिलेगी. अनायास गुप्त प्रसंग सामने आ सकता है. धीरे-धीरे अड़चनं सुधरेगी.

सिंह- मित्रों से किया वादा पूरा न करने का मलाल रहेगा. आय में बढ़ोत्तरी के आसार हैं. लोकप्रियता में वृद्धि होगी. आवश्यक वस्तुओं की प्राप्ति होगी. **कन्या**- अवाचक नई परशनियाँ हैरान कर सकती हैं. विरोधियों से सतर्क रहकर कार्य करें. धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है. नजदीकी महयोग मिलेगा. **तुला**- मनमौजी सोच आपके लिये नुकसानदायक हो सकती है. पारिवारिक विवादों को टालें. स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें. **वृश्चिक**- सपने साकार करने का समय है, **वृश्चिक** परश्रम को कटौती न करें. अड़चने धीरे धीरे सुलझेगी. विलासिता की वस्तुओं का संग्रह होगा. प्रिय व्यक्ति से भेंट होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ शांतिप्रिय, होगा. अपने कार्यों के प्रति सजग रहने वाला न्यायप्रिय ईमानदार होगा. कला और साहित्य आदि में विशेष लगाव रहेगा. धार्मिक आस्था अच्छी रहेगी. जीवन में सुखी रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

8	के.7 सु. चं. सु.	6	कु.	5
9		10	रा.	
11		1	रा.	मं. 3
	12	तु.	2	

पंचांग

रा.मि. 05 संवत् 2083 आषाढ शुक्ल त्रयोदशी चन्द्रवासरें दिन 4/0, मूल नक्षत्रे दिन 11/26, वैधृति योगे रात 12/41, तैतिल करणे सु.उ. 5/22, सू.अ. 6/38, चन्द्रचार धनु, शु.रा. 9.11, 12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2, 4,6,8 शुभांक- 2,4,8.

व्यापार भविष्य

आषाढ शुक्ल त्रयोदशी को मूल नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, स्टील, जौ, गेहूं, ज्वार के भाव में नरमी का रूख रहेगा. गुड़ खांड, शक्कर, सरसों, अरंडी, के भाव में नरमी रहेगी. उसके बाद तेजी का योग है. भाग्यांक 3721 है.

SUDOKU7462

2		8	5	1	9	6	7
					8		1
		7	4	6		8	9
3	2			7			8
1		9		4		7	5
4			2				9
6		3		5	1	9	
8			3				
7		1	9	2	6	3	4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सूटोक्र 7461

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7